हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 64 | जौनपुर, बुधवार 29 नवम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

हर सवाल का देंगे जवाब,गरिमा बनाये रखें विपक्ष : योगी

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र शुरु होने के पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी सदस्यों से सदन की गरिमा बनाये रखने की अपील करते हुये कहा कि विपक्षी दलों के हर सवाल का जवाब दिया जायेगा। विधानभवन के गेट नंबर आठ के पोर्टिको पर पत्रकारों से बातचीत में श्री योगी ने कहा कि प्रदेश के समग्र विकास, लोककल्याण, जनहित से जुड़े मुद्दे एवं जनसमस्याओं के समाधान के लिए हम विधानमंडल की कार्यवाही में चर्चा–परिचर्चा के लिए तैयार हैं। इसके लिए सभी दलों के सदस्यों से सार्थक चर्चा के लिए आह्वान किया

गया है। साथ ही सरकार सभी दलों के सदस्यों के उनके सवालों के जवाब देने के लिए पूरी तरह से तत्पर है। सरकार विकास समेत सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होने कहा " सदन आम जनमानस से जुड़ी समस्याओं को रखने एवं इस ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का महत्वपूर्ण मंच है। मुझे पूरा विश्वास है कि सभी सदस्य आम जनमानस की भावनाओं को ध्यान में रख करके सदन को स्वस्थ चर्चा–परिचर्चा का केंद्र बनाएंगे। साथ ही सार्थक चर्चा के माध्यम से विधायिका को और पुष्ट करने का कार्य करेंगे। इस सत्र में अनुपूरक बजट के साथ विधायिका के लंबित कार्य पूरे होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े छह वर्षों में विधान मंडल ने गरिमापूर्ण तरीके से संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली को पुष्ट करते हुए महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा–परिचर्चा को आगे बढ़ाने में नई सफलता प्राप्त की है, जो लोकतंत्र की सच्ची भावनाओं के प्रतिनिधित्व को दर्शाता है। यह लोगों के बीच कौतुहल और आश्चर्य का विषय बना हुआ है। मेरी विशेष रूप से विपक्षी दलों के सदस्यों से अपील है कि पूरे देश के अंदर सदन में गरिमापूर्ण तरीके से चल रही परिचर्चा को बनाए रखने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष की भी है। ऐसे में हम सदन की गरिमा को बनाए रखने में अपना योगदान दें। उन्होने कहा कि विपक्ष के हर प्रश्न का जवाब देने के लिए सरकार तैयार है। हम पूरी तैयारी के साथ सदन में मौजूद रहेंगे। विश्वास करता हूं कि आम जनमानस की भावनाओं के अनुरूप सभी सदस्य सदन पर अपनी बात को प्रभावी ढंग से रखेंगे।

अमित शाह के कोलकाता आगमन को काला दिवस के रूप में मनाएगी टीएमसी

एजेन्सी

कोलकाता। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा की एक मेगा रैली में शामिल होने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कोलकाता आगमन के दिन को श्काला दिवसश के रूप में मनाने का फैसला किया है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि बुधवार को पश्चिम बंगाल में पार्टी की विधायक टीम के सदस्य काले कपड़ों में सदन के चल रहे शीतकालीन सत्र में भाग लेंगे। यह रैली उसी स्थान पर आयोजित की जा रही है, जहां सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस हर साल 21 जुलाई को अपना शहीद दिवस समारोह आयोजित करती है, जो मनरेगा के तहत 100–दिवसीय नौकरी योजना के कार्यान्वयन में अनियमितताओं के विरोध में आयोजित की जा रही है। रैली में शाह के अलावा केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री गिरिराज सिंह और राज्य मंत्री निरंजन ज्योति के भी शामिल होने की संभावना है। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने टीएमसी के प्रस्तावित कदम का मजाक उड़ाया है और कहा है कि सदन के भीतर काले कपड़े पहनने जैसे विरोध प्रदर्शन निरर्थक हैं क्योंकि सदन में केंद्र सरकार का कोई प्रतिनिधि नहीं होगा।"बुधवार सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों द्वारा फोटो सत्र के लिए एक और विकल्प होगा। उन्होंने कहा, हमें इस तरह के नाटक को किसी भी तरह का महत्व देने की कोई जरूरत नहीं है।बुधवार को श्काला दिवसश मनाने के अलावा, तृणमूल कांग्रेस मंगलवार से लगातार तीन दिनों तक दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक दो घंटे का विरोध प्रदर्शन भी करेगी। यह रैली मनरेगा सहित कई केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत पश्चिम बंगाल को केंद्रीय बकाया का भुगतान न करने के खिलाफ होगी।

मप्र में मतदान के बाद स्ट्रांग रूम की सुरक्षा पर सवाल

एजेन्सी

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हो चुका है और ईवीएम मशीन से लेकर डाक मत पत्र की पेटियां भी स्ट्रांग रूम में है। इस स्थान की सुरक्षा को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है और उसने अपने कार्यकर्ताओं और उम्मीदवारों की निगरानी रखने की ड्यूटी तक लगा दी है। इसी बीच बालाघाट जिले में डाक मत पत्रों की पेटी खोले जाने के मामले ने सियासी गलियारे में हलचल पैदा कर दी है। राज्य के 230 विधानसभा क्षेत्र में 17 नवंबर को मतदान हुआ है। ईवीएम मशीन से लेकर डाक मत पत्रों की पेटियां स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखी गई है। साथ ही सुरक्षा के बेहतर इंतजाम भी किए गए हैं। इसके बावजूद कांग्रेस लगातार सुरक्षा पर सवाल खडे कर रही है। इतना ही नहीं, पार्टी के नेताओं ने और उम्मीदवारों ने अपने स्तर पर स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के इंतजाम की है। बात हम धार जिले की करें तो यहां के कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर सभी क्षेत्रों के उम्मीदवारों ने स्ट्रांग रूम पर नजर रखने के खास इंतजाम किए हैं। यहां पर कार्यकर्ताओं के बैठने के साथ सोने का भी इंतजाम किया गया है। कुल मिलाकर 24 घंटे स्ट्रांग रूम पर नजर रखी जा रही है। जबलपुर में भी कांग्रेस उम्मीदवारों के समर्थक ड्यूटी कर रहे हैं और जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी कॉलेज के सामने एक टेंट लगाकर बैठे हुए हैं। राज्य के अधिकांश हिस्सों में राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता स्ट्रांग रूम के बाहर अपना डेरा बनाए हुए हैं और वह आपस में अपनी ड्यूटी लगाते हुए इवीएम और मत पटियां की निगरानी कर रहे हैं। इसी बीच बालाघाट जिले में डाक मत पत्रों की पेटी खोलने का मामला सामने आया। इस पर नोडल अधिकारी हिम्मत सिंह भवेरी को निलंबित कर दिया गया है। इस मामले के सामने आने के बाद कांग्रेस आक्रामक हो गई है और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने साझा किया है, ष्निर्वाचन को कलंकित करते बालाघाट कलेक्टर, मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के कलेक्टर डॉ. गिरीश मिश्रा ने 27 नवंबर को ही स्ट्रांग रूम खुलवाकर बिना अभ्यर्थियों को सूचना दिए डाक मतपत्रों की पेटियां खोल दी।

मोदी ने फिर ली सिलक्यारा सुरंग बचाव कार्य की जानकारी

एजेन्सी

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पुनः फोन कर उत्तरकाशी जिले के सिलक्यारा में सुरंग में फँसे 41 श्रमिकों के राहत एवं बचाव कार्य के संबंध में जानकारी ली। श्री मोदी ने श्री धामी से सुरंग में फंसे श्रमिकों का कुशल क्षेम जाना। उन्होंने ड्रिलिंग के संबंध में संपूर्ण जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि अंदर फंसे श्रमिकों के साथ ही बाहर राहत बचाव कार्य में जुटे लोगों की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि अंदर फंसे श्रमिकों के परिजनों को किसी भी तरह की परेशानी ना हो। साथ ही प्रधानमंत्री ने आगामी रणनीति पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री को मुख्यमंत्री ने बताया कि मैन्युअली डिगिंग कार्य शुरु कर दिया गया है। अब तक कुल 52 मीटर पाइप को पुश कर लिया गया है। यदि कोई रुकावट नहीं आई तो शीघ्र ही सभी श्रमिकों को बहार निकाल लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अंदर फंसे सभी श्रमिकों का स्वास्थ्य सकुशल है। राहत एवं बचाव कार्य में जुटे श्रमिक

इंजीनियर विशेषज्ञ अधिकारी हर संभव प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि अंदर फंसे से सभी श्रमिकों को नियमित रूप से गुणवत्ता पूर्ण भोजन भेजा जा रहा है। सभी श्रमिकों से निरंतर डॉक्टर एवं मनोचिकित्सकों से भी संवाद करवाया जा रहा है। अंदर फंसे श्रमिकों के परिजनों से भी निरंतर बात करवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि एसडीआरफ द्वारा स्थापित कम्युनिकेशन सेटअप के अतिरिक्त बीएसएनएल द्वारा टेलिफोनिक कम्युनिकेशन सेटअप को भी स्थापित किया है। श्री धामी ने श्री मोदी को बताया कि फंसे श्रमिकों को निकल जाने के उपरांत सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि एसडीआरएफ और एनडीआरएफ मौके पर तैनात की गई है। डॉक्टर की टीम भी मौके पर मौजूद है। सभी अधिकारियों को 24 घंटे अलर्ट पर रखा गया है। गौरतलब है कि सिलक्यारा सुरंग में पिछले 17 दिनों से 41 मजदूर फंसे हुए हैं। सोमवार को मलबे में फंसी ऑगर मशीन के हेड को निकालने के बाद मैनुअल खोदाई का काम शुरू हो गया। श्री मोदी ने सुरंग में फंसे सभी 41 मजदूरों की सुरक्षित वापसी के लिए लोगों से प्रार्थना करने की अपील की है।

न्यूनतम निर्यात मूल्य लागू होने से प्याज निर्यात को झटका

एजेन्सी

नयी दिल्ली। नवंबर 2023 के पहले 21 दिनों में भारत से प्याज का निर्यात पिछले साल की समान अवधि के करीब बराबर ही रहा। केंद्र ने प्याज निर्यात के लिए 800 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) लागू कर दिया है, जिसके लागू होने और फसल कटाई में देर होने के कारण निर्यात को झटका लगा। विभिन्न निजी एजेंसियों और अनुसंधान संस्थाओं से प्राप्त ब्योरा बताता है कि अगस्त में 40 फीसदी का भारी–भरकम निर्यात शुल्क लगाए जाने के बाद प्याज का निर्यात सुस्त हो चुका था। अक्टूबर के आखिर में एमईपी लागू होने से इसका निर्यात काफी घट गया। दुबई की कृषि व्यापार कंपनी सिल्करूट डॉट एजी के आंतरिक शोध के आंकड़े बताते हैं कि सितंबर में भारत ने करीब 1,66,711.31 टन प्याज का निर्यात किया जो पिछले साल सितंबर में हुए निर्यात से 48.11 फीसदी कम रहा। उसके बाद अक्टूबर में 2,79,039.50 टन प्याज निर्यात हुआ, जो अक्टूबर, 2022 में निर्यात प्याज की तुलना में करीब 11.80 फीसदी कम रहा। मगर असली झटका नवंबर में न्यूनतम निर्यात मूल्य लागू होने के बाद लगा है। 21 नवंबर तक भारत से प्याज का निर्यात पिछले साल 1 से 21 नवंबर के बीच निर्यात के मुकाबले करीब 85 फीसदी घटकर महज 19,347 टन रह गया। मुख्य तौर पर बांग्लादेश, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात और श्रीलंका जैसे देशों को भारत से प्याज का निर्यात किया जाता है। नवंबर के पहले तीन हफ्तों में इन देशों को प्याज का निर्यात एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले बहुत कम रहा। बांग्लादेश को 21 नवंबर तक करीब 263 टन प्याज का निर्यात किया गया जबकि पिछले साल 21 नवंबर तक वहां 49,000 टन प्याज भेजा गया था। इस बार नेपाल को तो केवल 88 टन प्याज भेजा गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 8,654.5 टन प्याज निर्यात किया गया था। देसी बाजार में प्याज की बढ़ती कीमतों पर लगाम कसने के लिए केंद्र सरकार ने 19 अगस्त को 40 फीसदी आयात शुल्क लगा दिया था। देश के प्रमुख प्याज उत्पाद राज्य महाराष्ट्र में किसानों का विरोध–प्रदर्शन देखते हुए सरकार ने 2 लाख टन अतिरिक्त प्याज खरीदने का फैसला किया।

असंवैधानिक आदेशों का पालन ना करें अधिकारी-कर्मचारी : कमलनाथ

एजेन्सी

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने राज्य के बालाघाट में पोस्टल बैलेट से जुड़ी कथित अनियमितताओं के संदर्भ में अधिकारी–कर्मचारियों से आज कहा कि वे इस समय निर्वाचन आयोग के अंतर्गत कार्य कर रहे हैं और कर्मचारी किसी भी असंवैधानिक या गैरकानूनी आदेश का पालन नहीं करें। श्री कमलनाथ ने एक्स पर पोस्ट किया, श्इस पारदर्शिता और कर्तव्यनिष्ठा लोकतंत्र के बुनियादी उसूल हैं। कल बालाघाट में डाक मतपत्रों को जिस तरह से खोला गया, वह गंभीर कदाचरण है। उसके बाद सरकारी मशीनरी और जिम्मेदार अधिकारियों ने जिस तरह से इस कृत्य को सही साबित करने की कोशिश की, वह और भी अक्षम्य अपराध है। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में शामिल सभी अधिकारी और कर्मचारियों को वे याद दिलाना चाहते हैं कि इस समय वे निर्वाचन आयोग के अंतर्गत कार्य कर रहे हैं, जो मध्यप्रदेश सरकार से अलग एक स्वायत्त संस्था है।

दिल्ली की अदालत ने संजय सिंह की जमानत याचिका पर ईडी को नोटिस भेजा

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को आबकारी नीति मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की जमानत याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी किया है। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एम.के. नागपाल ने ईडी को 6 दिसंबर तक जवाब दाखिल करने को कहा है। न्यायाधीश ने केंद्रीय जांच एजेंसी से आरोपी को जवाब की प्रति उपलब्ध कराने को भी कहा है। 24 नवंबर को कोर्ट ने संजय सिंह की न्यायिक हिरासत 10 दिनों के लिए 4 दिसंबर तक बढ़ा दी थी, उन्होंने जांच अधिकारी की इस दलील पर गौर किया कि आरोपी के खिलाफ जल्द ही निर्धारित समय के भीतर चार्जशीट दाखिल किए जाने की संभावना है। इससे पहले न्यायाधीश ने संजय सिंह को एक सांसद के रूप में विकास कार्यों से संबंधित कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने की अनुमति दी थी। न्यायाधीश ने संबंधित अधिकारियों को उन्हें पंजाब की एक अदालत में पेश करने का निर्देश दिया था, जब उन्हें सूचित किया गया था कि मानहानि के एक मामले में अमृतसर की एक अदालत से पेशी वारंट है। न्यायाधीश नागपाल ने संजय सिंह को कुछ चेकों पर हस्ताक्षर करने की भी अनुमति दी थी क्योंकि उन्होंने अपने पारिवारिक खर्चों और एक सांसद के रूप में किए जाने वाले अन्य कार्यों के लिए ऐसा करने का अनुरोध किया था। संबंधित जेल अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे संजय सिंह का उचित इलाज सुनिश्चित करें, जिसमें उनका निजी डॉक्टर भी शामिल हो। न्यायाधीश ने कहा था, अदालत को आरोपी को निजी इलाज से इनकार करने का कोई कारण नहीं दिखता। इसलिए, संबंधित जेल अधीक्षक को उचित इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाता है।

फिलिस्तीन, इजरायल संघर्ष को लेकर बैठक

एजेन्सी

बार्सिलोना। फिलिस्तीन और इजरायल संघर्ष को लेकर अरब देशों और यूरोपीय संघ (ईयू) ने स्पेन में एक बैठक में सहमति व्यक्त की। ईयू के विदेश मामलों के प्रमुख जोसेप बोरेल ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बार्सिलोना में भूमध्यसागरीय देशों की बैठक में भाग लेने वाले सभी यूरोपीय संघ के सदस्य और लगभग सभी उपस्थित लोग फिलिस्तीन और इजरायल के बीच समाधान की आवश्यकता पर सहमत हुए हैं।

पश्चिम बंगाल : सुवेंदु अधिकारी पूरे शीतकालीन सत्र के लिए विधानसभा से निलंबित

एजेन्सी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) सुवेंदु अधिकारी को कथित बुरे व्यवहार के लिए मंगलवार को सदन से निलंबित कर दिया गया। उन पर मौजूदा शीतकालीन सत्र में भाग लेने पर रोक लगा दी गई है। सुवेंदु अधिकारी को सदन के नियमों और प्रोटोकॉल के अनुरूप अस्वीकार्य व्यवहार के आरोप में निलंबित किया गया है। जब विधानसभा अध्यक्ष बिमान बंद्योपाध्याय ने भाजपा विधायक शंकर घोष के एक विशेष शब्द को सदन की कार्यवाही से दिन भर के लिए निकाल दिया, तब हंगामा शुरू हुआ।

सुवेंदु अधिकारी ने शब्द को हटाने के फैसले का पुरजोर विरोध किया और सदन के पटल पर धरना देना शुरू कर दिया। विधानसभा अध्यक्ष को सुवेंदु अधिकारी को चेतावनी देते हुए और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही से बचने के लिए सदन में अपने आचरण पर ध्यान देने के लिए कहते सुना गया। इसके तुरंत बाद, तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने सत्र के लिए एलओपी को निलंबित करने की मांग करते हुए विधानसभा के पटल पर एक प्रस्ताव लाए। अध्यक्ष ने जल्द ही सदन के चल रहे शीतकालीन सत्र के शेष भाग के लिए सुवेंदु अधिकारी को निलंबित करने के निर्णय की घोषणा की। शेष भाजपा विधायक विरोध स्वरूप तुरंत सदन से बाहर चले गए और उन्होंने श्संविधान दिवसश पर प्रस्ताव पर चर्चा का बहिष्कार करने के निर्णय की भी घोषणा की। बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए सुवेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि विपक्षी विधायकों को सदन के भीतर हमेशा उनकी वैध सुरक्षा से वंचित किया जाता है। उन्होंने आगे कहा, संविधान दिवस के अवसर पर स्वीट चर्चा में हिस्सा लेने का कोई मतलब नहीं है। मैं बार–बार कहता रहा हूं कि सदन में संविधान के प्रावधानों और मानदंडों का नियमित उल्लंघन किया जा रहा है। यह पहली बार नहीं है कि सुवेंदु अधिकारी को सदन के किसी सत्र में भाग लेने से निलंबित किया गया है। पिछले साल मार्च में सुवेंदु अधिकारी और चार अन्य भाजपा विधायकों को सदन से निलंबित कर दिया गया था। हालांकि, बाद में कुछ देर बाद ही उनका निलंबन रद्द कर दिया गया था।

वाराणसी टू मुंबई फ्लाइट में देरी, यात्रियों का हंगामा,4 घटे देरी से उड़ा विमान

एजेन्सी

वाराणसी। वाराणसी से मुंबई जाने वाला फ्लाइट कैंसिल की सूचना पर यात्रियों ने बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हंगामा कर दिया।

एयरपोर्ट के मुख्य टर्मिनल भवन में यात्रियों और सुरक्षा अधिकारियों के बीच में जमकर बहसबाजी हुई। वहीं, इस मामले का एक वीडियो पर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में यात्री और अकासा एयरलाइंस के मैनेजर के बीच तू–तू, मैं–मैं चल रही है। लोग बोल रहे हैं कि झूठ बोला जा रहा है। कंपनी सच्चाई बताए, क्या दिक्कत है। वहीं, एयरलाइंस के कर्मचारी सर–सर करके अपनी मौसम की खराबी को वजह बता रहे हैं। वो कह रहे हैं फ्लाइट देरी से मुंबई के लिए रवाना होगी।अकासा एयर की फ्लाइट फच 1492 को आज सुबह 9 जबकर 30 मिनट पर उड़ान भरना था। लेकिन, बताया जा रहा है कि घने कोहरे की वजह से फ्लाइट को एयर ट्रैफिक कंट्रोल की अनुमति नहीं मिली। काफी देर तक पायलट इंतजार करते रहे। अकासा ने सोशल मीडिया एक्स पर दोपहर 10.30 बजे उड़ान भरने की बात कही।

इसके बाद यात्रियों का गुस्सा खत्म हुआ। वाराणसी में आज सुबह घने कोहरे की वजह से विजिबिलिटी 200 मीटर पर आ गई थी। घने बादल और धुंध सोमवार रात से ही छाए हुए हैं। विमान में सफर कर रहे एक पैसेंजर ने बताया कि फ्लाइट 9रू15 बजे की थी। सुबह 7 बजे से पहले ही एयरपोर्ट पर आकर जांच आदि करा रहे हैं। यह सब कुछ होने के 3 घंटें बाद 10 बजे बताया जा रहा है कि फ्लाइट कैंसिल कर दी गई है। पहले तो एयरलाइंस स्टाफ ने बताया कि फ्लाइट में देरी है।

हल्की बारिश के बाद बढ़ी ठंडक,शहर में छाया धुंध

एजेन्सी

वाराणसी। वाराणसी में देर रात बूंदाबांदी के बाद हल्की–हल्की ठिठुरन शुरू हो गई है। कई दिनों से अधिकतम तापमान 29 डिग्री पर बना हुआ था, मगर सोमवार को यह 4 डिग्री घटकर 25 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है। वहीं, आज सुबह से वाराणसी का तापमान 17–18 डिग्री सेल्सियस पर बना हुआ है। हवा शांत है।आज वाराणसी में काफी धुंध है। इसकी वजह से विजिबिलिटी घटकर 350 मीटर पर आ गया है। वहीं, यही वजह है कि धूप भी काफी हल्की है। हवा में नमी 98: तक बनी हुई है। यानी कि बारिश जैसी कंडीशन अभी भी बरकरार है। कल देव दीपावली पर हुई जमकर आतिशबाजी हुई थी। हवा में इसका भी असर देखा जा रहा है, जिससे धुंध थोड़ी बढ़ गई है। वाराणसी का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 108 अंक पर पहुंच गया है। शहर का सबसे ज्यादा प्रदूषित इलाका मलदहिया है, जहां पर एक्यूआई 127 अंक पर है। सबसे कम प्रदूषित इलाका बीएचयू कैंपस रहा। यहां का एक्यूआई 98 अंक दर्ज किया गया।

सम्पादकीय

पाक के आतंकी मंसूबे

हाल में जम्मू–कश्मीर में पाक प्रशिक्षित आतंकियों के हमले ने एक बार फिर देश की चिंताएं बढ़ाई हैं कि 26ध्11 के आतंकी हमले के पंद्रह साल बाद भी पाकिस्तान के घातक मंसूबे कायम हैं। वह भारत को नुकसान पहुंचाने के लिये आतंकवादी रणनीतियों में लगातार बदलाव कर रहा है। देश में उत्तरी सेना के एक कमांडर का यह दावा हमारी चिंता बढ़ाने वाला है कि जम्मू–कश्मीर में सेवानिवृत्त पाकिस्तानी सैनिक आतंकवादी समूहों का हिस्सा है। उन्होंने उच्च प्रशिक्षित विदेशी आतंकवादियों की घुसपैठ कराने के प्रयासों की तरफ भी इशारा किया क्योंकि स्थानीय आतंकियों की भर्ती नहीं हो रही है। सेना द्वारा आशंका जतायी जा रही है कि राजौरी और पुंछ के सीमावर्ती जिलों में कम से कम 20–25 आतंकवादी सक्रिय हैं। यह तो पहले से जाहिर है कि भारत के उच्च प्रशिक्षित सैन्य अधिकारियों व सैनिकों से मुकाबला करने वाले आतंकवादी सेना जैसा प्रशिक्षण हासिल किये होते हैं। जाहिर है पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठानों से जुड़े संगठन इस खतरनाक खेल में शामिल हैं। हाल ही में राजौरी में दो स्थानों पर हुई मुठभेड़ में दो सैन्य अधिकारियों समेत पांच सैनिक शहीद हुए। शांतिकाल में यह बड़ी व चिंताजनक क्षति है। बहरहाल पिछले हफ्ते राजौरी में 31 घंटे चली मुठभेड़ के बीच पीर पंजाल क्षेत्र से आतंकवाद को जड़ से खत्म करने का नया संकल्प लिया गया। इस मुठभेड़ में लश्कर–ए–तैयबा का एक शीर्ष कमांडर और उसका सहयोगी भी मारा गया। लेकिन पाक आर्थिक बदहाली व राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। शायद पाक को पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री की वह बहुचर्चित चेतावनी याद नहीं रही, जिसमें उन्होंने कहा था कि आप अपने पिछवाड़े में सांप नहीं पाल सकते और उनसे यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वे केवल आपके पड़ोसियों को ही काटेंगे। हकीकत यह है कि अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद से पाकिस्तान में पाक तालिबानी संगठन के हमले अप्रत्याशित रूप से बढ़ गये हैं।निस्संदेह, आज पाकिस्तान न केवल राजनीतिक व आर्थिक अस्थिरता से जूझ रहा है बल्कि उसे तालिबान की चुनौती का भी सामना करना पड़ रहा है। पाक में गंभीर स्थिति के बावजूद देश चलाने वाली सेना द्वारा रिटायर्ड फौजियों को सीमा पर भेजकर आतंकवाद को बढ़ावा देना भारत के लिये बड़ी चुनौती है। इन चुनौतियों के बीच सतर्कता की स्थिति में किसी तरह की ढील नहीं दी जानी चाहिए। निश्चित रूप से 26ध्11 का भयावह आतंकी हमला हमारी सुरक्षा तैयारियों में चूक की तरफ ध्यान दिलाने वाला घटनाक्रम भी था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चिंताजनक बात यह है कि हमारी सुरक्षा का पारिस्थितिकीय तंत्र कई मामलों में उदासीन बना हुआ है। बताया जा रहा है कि समुद्र के रास्ते आतंकवादियों के भारत में प्रवेश के बाद तटों पर नजर रखने के लिये जिन 46 आधुनिक नौकाओं को खरीदा गया था, उनमें से केवल आठ ही काम कर रही हैं। हाल ही में सुरक्षा के मामले में चाकचौबंद इस्राइल पर हमास के घातक हमले ने पूरे दुनिया को सबक दिया है कि किसी भी चूक की हमें बड़ी कीमत चुकानी होती है। घटनाक्रम ने बताया कि सुरक्षा मामलों में आत्मसंतुष्टि या अजेयता की भावना प्रदर्शित करने के घातक परिणाम सामने आ सकते हैं। घटनाक्रम का एक सबक यह भी है कि हमें वैश्विक समर्थन पर अत्यधिक निर्भर नहीं रहना चाहिए। हमारी तैयारियों से ही आतंकवादियों का कारगर ढंग से मुकाबला संभव हो सकता है। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद कोई ऐसी समस्या नहीं है जिसके समाधान के लिये हमें बाहरी मदद की जरूरत हो। इससे निपटने के लिये हमें अपने सभी संसाधनों का बेहतर ढंग से इस्तेमाल करना होगा। वहीं दूसरी ओर आतंकग्रस्त जम्मू–कश्मीर में जमीनी स्तर पर सुरक्षा से जुड़ी रणनीतियों पर नये सिरे से विचार करने की जरूरत होगी। हमें उग्रवाद को बढ़ावा देने वाली आंतरिक सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर दूर करना होगा। समावेशी शासन के जरिये रोजगार, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाकर स्थानीय लोगों का विश्वास हासिल करना होगा। स्थानीय लोगों का सहयोग व सूचनाएं आतंकवाद से मुकाबला करने में सहायक साबित हो सकती हैं।

आज का राशिफल

मेष :– कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

वृषभ :– हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार–विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुन :– निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

कर्क :– भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा–बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कायरे में आलस्य का त्याग करें।

सिंह :– पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या :– परिवार की छोटी–छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

तुला :– समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें।

वृश्चिक :– स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे।

धनु :– किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धिमत्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकर :– बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले–जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुंभ :– शासन–सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

मीन :– महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुष्ट पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर ही रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है।

हरियाणा में लड़कियों को मुफ्त शिक्षा

आदित्य नारायण

हाल ही के वर्षों में हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा के लिए एक प्रमुख केन्द्र के रूप में उभरा है। शिक्षा विकास की कुंजी है। शिक्षा के अभाव में कोई भी समाज न विकसित हुआ है, न हो

सकता है। कोई दौर था जब लड़कियों को शिक्षा से दूर रखा जाता था। शिक्षा के अभाव में महिलाओं का जीवन केवल परिवार तक सीमित हो चुका था लेकिन आज सामाजिक परिवर्तन के चलते लड़कियों की शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति पर बहुत ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में आरक्षण ने भले ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हो लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को मुफ्त में शिक्षा देने की मांग हमेशा से ही उठती रही है। आज यह भी महसूस किया जा रहा है कि आरक्षण का आधार सामाजिक न होकर आर्थिक होना चाहिए। राज्य सरकारें लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए मदद की अनेक योजनाएं चला रही है। अक्सर देखा गया है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियां पैसों की कमी की वजह से पढ़ नहीं पातीं और वह हाईस्कूल के बाद अपनी पढ़ाई को बीच में ही छोड़ देती हैं। हरियाणा की मनोहर लाल सरकार ने अब आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों की पढ़ाई के लिए एक जबरदस्त पहल कर दी है। उन्होंने यह भी घोषणा की है कि जिन परिवारों की वार्षिक आय 180,000 से 3 लाख तक है उनकी बेटियों की कालेज एजुकेशन की आधी फीस का भुगतान सरकार करेगी। इससे पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्ष 2021 में राज्य सरकार की महत्वकांक्षी परिवार पहचान पत्र योजना के तहत उन लोगों के लिए मुफ्त शिक्षा की घोषणा की थी जिसकी सत्यापित पारिवारिक आय 1.80 लाख रुपए प्रति वर्ष से कम थी। हरियाणा सरकार ने लड़कियों की उच्च शिक्षा ऋण योजना पहले ही लागू की हुई है। इस योजना के माध्यम से लड़कियां अपनी आगे की पढ़ाई के लिए ऋण ले सकती हैं। हरियाणा सरकार इस ऋण पर सब्सिडी भी देती है। उच्च शिक्षा के लिए ऋण लेने वाली छात्राओं का 5 प्रतिशत ब्याज माफ कर दिया जाता है। इतना ही नहीं हरियाणा सरकार में कार्यरत सरकारी कर्मचारियों की लड़कियां जो देश और विदेश में उच्च शिक्षा ग्रहण कर रही हैं वह भी इस योजना के लाभ की पात्र हैं। बालिकाओं के प्रति सामाजिक रवैये में बदलाव लाने और उनके उत्थान के लिए हरियाणा सरकार ने कई योजनाएं चलाई हुई हैं।

लाडली योजना भी हरियाणा सरकार की एक महत्वकांक्षी योजना है। लाडली योजना का मकसद राज्य में बेटियों के जन्म को प्रोत्साहित करना है। लाडली योजना का लाभ वह माता–पिता उठा सकते हैं जिसकी दो बेटियां हैं। इस योजना के तहत 20 अगस्त, 2005 को या उसके बाद जन्मी बेटी और माता के नाम पर 5000 रुपए की वित्तीय सहायता किसान विकास पत्रों के जरिये हर वर्ष निवेश की जाती है और बेटी की उम्र 18 साल होने के बाद संचित राशि जारी कर दी जाती है। केन्द्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के चलते बेटियों के सपने साकार हो रहे हैं। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरियाणा के पानीपत शहर में बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजना का आरम्भ किया था। इस योजना का मुख्य उद्देश्य लिंग पक्षपातपूर्ण जैसी सामाजिक कुरीतियों से बेटियों को बचाना है। मनोहर लाल सरकार ने इस योजना पर काफी जोर दिया। जिसके चलते हरियाणा में लिंग अनुपात में काफी सुधार आया है। हरियाणा में राज्य के 10 जिलों में जन्म के समय स्थिति में सुधार हुआ है लेकिन 12 जिलों में लिंग अनुपात गड़बड़ाया भी है। फिर भी कन्या भ्रूण की हत्याएं काफी हद तक बंद हो चुकी हैं। जैसे–जैसे शिक्षा का ढांचा मजबूत हो रहा है। त्यों–त्यों सामाजिक स्थिति में काफी परिवर्तन आ चुका है। आज हरियाणा में आठ केन्द्रीय विश्वविद्यालय, 22 राज्य विश्वविद्यालय और प्राइवेट संस्थानों को मिलाकर कम से कम 61 विश्वविद्यालय हैं। हरियाणा को शिक्षा का पावर हाऊस बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिएलगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उच्च शिक्षा के संस्थानों में अब लड़कियों का लड़कों की तुलना में अनुपात काफी अच्छा हो रहा है। अगर लड़कियों को इस तरह के प्रोत्साहन दिए जाए तो सही अर्थों में उनका सशक्तिकरण हो सकता है। हरियाणा की छोरियां कुश्ती, बॉक्सिंग और अन्य खेलों में देश का गौरव बढ़ा रही हैं।

लाडली योजना हरियाणा सरकार द्वारा समाज में बालिकाओं की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए चलाई गई है। यह योजना कन्या भ्रूण हत्या सहित सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने की दिशा में एक ठोस कदम है। हरियाणा में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए वर्तमान मनोहर लाल सरकार कितनी गम्भीर है इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि अब हरियाणा के हर गांव में पढ़ी–लिखी सरपंच व पंच हैं।

हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं

संजीव ठाकुर

मानसिक विकृति के शिकार कुछ बंदूकधारियों द्वारा निरिह लोगों की हत्या कर अपना मकसद साध लेना ही आतंकवाद की श्रेणी में नहीं आता है,बल्कि शक्ति संपन्न राष्ट्रों द्वारा अपनी विस्तार वादी सामंती अवधारणा को पूरा करने के लिए छोटे देशों पर हमला करना भी आतंकवाद ही है स इसराइल–हमास, रूस–यूक्रेन युद्ध इसका ताजा उदाहरण है, अमेरिका की दादागिरी, चीन का पागलपन, उत्तर कोरिया की सनक इन सबके विभस्त उदाहरण है जो अपनी व्यवसायिक ,सामरिक और मानसिक सनक को पूरा करने के लिए किसी भी देश को नेस्तनाबूद कर नागरिकों पर कहर ढाकर उन्हें मौत के घाट उतार देते हैंस यह सब अंतर्राष्ट्रीय सामूहिक बलात आतंकवाद ही हैंस भारत एक सशक्त और बलशाली देश होने के बावजूद शांति की नीति को अपनाए हुए है और वैश्विक शांति का संदेश भी देने का प्रयास कर रहा है ऐसे देशों को साधुवाद देना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महाबली राष्ट्रों की विस्तार वादी तथा सामंती गतिविधियों की सार्वजनिक निंदा भी की जानी चाहिए,आतंकवाद एक मानसिक विकृति की विचारधारा है, जिसके द्वारा हिंसक कार्यों और गतिविधियों से जनमानस अशांति और भय की स्थापना करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करना होता है। जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं जो कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट,हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती है। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम मैं विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर–ए–तैयबा ,जैश–ए–मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड ,बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम फेहरा के रखा है। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवादी ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं ,यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेल रेल पटरियों वायुयानो का अपहरण निर्दोष लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सल वाली क्षेत्र से पनपा है, जो पूरे भारत में धीरे–धीरे फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए हैं। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद ने अनेक घटनाओं को जन्म देकर विश्व शांति सद्भावना की मूल कल्पना को छिन्न–भिन्न करने का प्रयास किया है। दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में आज मौजूद है। आतंकवाद कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण ,नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। यह समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं। आतंकवाद को वृहद रूप देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भी बड़ा साथ दिया है, आतंकवादियों, नक्सलवादियों और नस्ल वादियों के लिए रसायनिक, नाभिकीय, जैविक मानव बम जैसे आधुनिक हथियार उपलब्ध होने से यह आतंकवादी गतिविधियां और भी खतरनाक हो गई है। इसके अलावा मीडिया में इंटरनेट उपलब्धता से यह सारी सरकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो जाती है इससे आतंकवादी और ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। विश्व में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर 11 सितंबर 2001 आतंकवादी हमला मानव इतिहास की सबसे क्रूर तम हमला माना जाता है। पाकिस्तान के पेशावर जिले में आर्मी स्कूल में 150 मासूम बच्चों की निर्मम हत्या भी एक क्रूर आतंकवादी घटना हैस भारत में 1993 में मार्च में श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोट इसी तरह दिसंबर 2001 में संसद भवन पर हमलावाराणसी बम विस्फोट, अहमदाबाद में बम विस्फोट, 2008 में मुंबई ताज होटल पर हमला,2016 में पठानकोट एयरबेस हमला, 2017 में अमरनाथ तीर्थयात्रियों हमला, 2019 में पुलवामा हमला आतंकवादी घटनाएं हैं जिससे मानवीय संवेदनाएं, शांति स्थापना की मूल धारणा की धज्जियां उड़ जाती हैस भारत में तो नक्सलवाद भी आतंकवाद का एक वृहद रूप ले चुका हैस आतंकवाद का सबसे भयानक रूप यह है की कोई भी देश यह नहीं जानता कि आतंकवाद का अगला निशाना कौन सा देश और कौन सी इमारत, रेलवे स्टेशन, वायुयान और कौन सा धार्मिक स्थल होगास वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ असुरक्षा की भावना पूरी तरह व्याप्त हो चुकी हैस आतंकवाद का सबसे विस्तृत और भयानक रूप अफगानिस्तान में सरकार का तख्तापलट का ही हैस वहां तालिबानी आतंकवादियों द्वारा सरकार को गिरा कर अफगानिस्तान देश पर जाकर वहां शासन स्थापित कर लिया था, और पूरी दुनिया तमाशबीन बनी रही। रूस यूक्रेन युद्ध मैं भी लाखों लोगों की आक्रमण कर हिंसक हत्या तानाशाही तथा मानसिक आतंकवाद का ही एक भयानक रूप है। पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ भारत सहित अनेक कानून बनाए गए एवं उन पर अमल भी किया जा रहा है। पर आतंकवाद को समूल नष्ट करने के लिए आतंकवादी विचारधारा को ही समूल रूप से नष्ट करना होगा, क्योंकि आतंकवाद कोई तात्कालिक कारणों से पैदा नहीं होता,यह एक घिनौनी, हिंसक आतंक पैदा करने वाली विचारधारा है। अशांति की इस विचारधारा में जन समुदाय में रोश तथा खौफ पैदा कर दिया है और यह मानवता के लिए अभिशाप की तरह व्याप्त हो गया है। जिससे विश्वव्यापी वैश्विक शांति की अवधारणा को नष्ट कर दिया है। वैसे तो पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ प्रयास किए जा रहे हैं पर हर देश के हर नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि इस विचारधारा और इनकी गतिविधियों पर नजर रख इसे समूल नष्ट करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

डूबती उम्मीदों के बीच

वाजिब आशंका है कि बचाव कार्य लंबा खिंचा, तो डूबती–उतराती उम्मीदों के बीच जी रहे मजदूर क्या तब तक अपना जीवन संघर्ष जारी रख पाएंगे। फिलहाल यह साफ है कि मीडिया में बनाया गया यह माहौल निराधार था कि अब कुछ घंटों का ही इंतजार बाकी है।

उत्तराखंड की सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 मजदूरों के जल्द निकल आने की उम्मीदें अब कमजोर पड़ गई हैं। इस कार्य के लिए ऑस्ट्रेलिया से बुलाए गए विशेषज्ञ ने तो इस कार्य के पूरा होने की समयसीमा क्रिसमस तक बढ़ा दी है। यानी पूरा एक महीना और। यह आशंका वाजिब है कि सचमुच यह काम इतना लंबा खिंचता है, तो डूबती–उतराती उम्मीदों के बीच जी रहे मजदूर क्या तब तक अपना जीवन संघर्ष जारी रख पाएंगे। बहरहाल, यह तो साफ है कि सरकारी ब्रीफिंग के आधार पर मीडिया द्वारा कुछ घंटों के इंतजार का बनाया गया माहौल निराधार था। इस बीच उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सुरंग के पास जाकर टीवी कैमरों के कवरेज के बीच मजदूरों को यह बता आए प्रधानमंत्री उनकी रोज खोज–खबर ले रहे हैं। लेकिन ऐसे त्रासद मौके को भी इवेंट बना देने वाली सरकार अपनी उस परियोजना पर पुनर्विचार करने को तैयार नहीं है, जिसे पर्यावरणविदों की चेतावनियों के बावजूद आगे बढ़ाया जा रहा है।

इन चेतावनियों में बार–बार कहा गया है कि हिमालय की पारिस्थितिकी इतनी भुरभुरी है, जिसमें छेड़छाड़ बड़े हादसों को न्योता देना है।

मोदी को बेनकाब करता सोनिया गांधी का लेख

आधारहीन होकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस पार्टी, उनके नेताओं एवं सरकारों की जिस अशोभनीय तरीके से आलोचना करते हैं, उसकी कलई अब धीरे–धीरे खुलने लगी है। चाहे भ्रष्टाचार हो या वंशवाद का सन्दर्भ अथवा सरकार के कामकाज से सम्बन्धित कोई तथ्य हो– अब मोदी, उनकी सरकार एवं भारतीय जनता पार्टी द्वारा अपनाये जाने वाले दोहरे मानदंडों वाले व्यवहार का भी पर्दाफाश हो गया है। सच तो यह है कि मोदी के दूसरे कार्यकाल के समाप्त होते न होते उनके झूठ व प्रपंच पूरी तरह से जगजाहिर हो गये हैं।

विकास के मुद्दों पर तो मोदी यही रटी–रटायी बात करते थे कि पिछले 70 वर्षों में कुछ भी नहीं हुआ है, वहीं वे यह बताते थे कि उनकी पूर्ववर्ती डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार (दो कार्यकाल) पूरी तरह से कठपुतली सरकार थी जो सोनिया गांधी के इशारे पर काम करती थी। वे हाल के चुनाव प्रचार तक यही कहते रहे हैं कि मनमोहन सिंह का रिमोट मैडम (आशय– सोनिया गांधी) के हाथ में रहता था। मोदी का यह भी कहना रहा है कि राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (नेशनल एडवाइजरी काउंसिल– एनएसी) दूसरा पॉवर सेंटर बन गया था जिसका संचालन सोनिया गांधी करती थीं।इस मुद्दे पर सोनिया गांधी ने अब जो जवाब दिया है वह लोगों के लिये आंखें खोल देने वाला तो है ही, मोदी एवं उनके जैसों को निरूत्तर करने के लिये भी काफी होना चाहिये, बशर्ते उनमें सच्चाई का सामना करने का साहस तथा नैतिकता का तकाजा हो। अपनी आने वाली एक किताब में सोनिया

गांधी ने इस पर स्पष्टीकरण तो दिया ही है, मोदी सरकार पर गम्भीर आरोप जड़ दिये हैं। उन्होंने कहा है कि उन पर मनमोहन सिंह सरकार को नियंत्रित करने का आरोप लगाने वाले मोदी की अपनी सरकार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आदेशों के अनुसार काम करती है जो न विश्वसनीय है न निर्वाचित। उन्होंने इससे इंकार किया कि एनएसी कोई दूसरा शक्ति केन्द्र था। उनके अनुसार यह लोगों के अधिकारों व उनके सशक्तिकरण सम्बन्धी सुझाव देती है।किताब में एन्हैंसिंग पीपल्स राइट एंड फ्रीडम– एनएसी रिविजिटेड शीर्षक वाले अध्याय में उन्होंने कहा है कि यह विडम्बना है कि एनएसी को अपमानित किया गया है जबकि मौजूदा एनडीए सरकार अपनी नीतियों को लेकर आरएसएस से निर्देश लेती है। उन्होंने आगे बताया है कि 2015 में केन्द्रीय मंत्रियों ने अपनी नीति का पूरा खाका उनके सामने प्रस्तुत किया था जिसे स्वयं मोदी ने सरकार को मार्गदर्शन का नाम दिया था पर ये लागू नहीं किये गये।

सोनिया गांधी ने साफ किया है कि एनएसी का काम केवल सुझाव देना था। अमल करना या न करना प्रधानमंत्री व सरकार के विवेक पर निर्भर था। उन्होंने याद दिलाया कि जब अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजातियों के लिये अलग से बजट बनाने और गैर संगठित क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिये भी सामाजिक सुरक्षा का कार्यक्रम बनाने का सुझाव दिया गया था तो वे फैसले नहीं माने गये। यूपीए की अध्यक्ष एवं पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष का संकेत प्रधानमंत्री के विवेकाधिकार की ओर ध्यान दिलाना था जो शक्ति केन्द्र नहीं है। वह केवल पीएम के सलाहकार निकाय के रूप में कार्यरत थी। सोनिया का यह कहना भी बिलकुल सही है कि एनएसी की आलोचना इसलिये की जा रही है क्योंकि उसकी अध्यक्ष व कांग्रेस की अध्यक्ष वे ही थीं। उन्होंने लेख बताया कि केवल बाजार ही लोगों के विकास को सुनिश्चित नहीं कर सकता। इसके लिये लोगों के अधिकारों को अक्षुण्ण बनाये रखना एवं उनमें इजाफा करना भी आवश्यक होता है जो करने की कोशिश उनके रहते परिषद द्वारा की गई थी।सोनिया का लेख बतलाता है कि मोदी की समझ न केवल संकीर्ण व पूर्वाग्रह से ग्रस्त है वरना वह दोषपूर्ण भी है। मनमोहन निश्चित रूप से सोनिया की ही पसंद के व्यक्ति थे क्योंकि उन्होंने पीएम बनने से इंकार कर दिया था, लेकिन यह भी सच है कि उन्होंने पूरी आजादी से काम किया था। तत्कालीन एनएसी ने भी बेहतरीन सुझाव देते हुए भारत की खुशहाली में बड़ा योगदान दिया था। मनमोहन सिंह के अनेक कार्यों की रूपरेखा पर पहले उनकी सलाहकार परिषद में भी विचार–विमर्श हुआ और उसे मनमोहन सिंह जैसे कुशाग्र व्यक्ति द्वारा परिमार्जित कर लागू किया गया था। इसके बेहतरीन नतीजे भी प्राप्त हुए थे। एनएसी की सलाह पर सरकार ने सूचना का अधिकार लागू किया जिससे लोगों की पहुंच आवश्यक जानकारियों तक हो सकी है। इससे सरकार की जवाबदेही बढ़ी तथा लोक सेवा की प्रणाली अधिक सक्रिय हुई है।

भोजन के अधिकार ने बड़े पैमाने पर लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला। कुपोषण की समस्या से भी एक बड़ी आबादी को छुटकारा मिल सका था। शिक्षा के अधिकार ने साधनविहीन परिवार के बच्चों को भी गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने वाले परन्तु महंगे स्कूलों में प्रवेश दिलाया ताकि सामाजिक न्याय का मार्ग प्रशस्त हो।महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार योजना (मनरेगा) को नहीं भुलाया जा सकता, जिसने रोजगार को अधिकार के साथ जोड़ा है।

जब ग्रामीणों के पास जीविकोपार्जन के साधन नहीं रहते, उनके द्वारा मांग करने पर रोजगार देने के लिये शासन को बाध्य करने वाला कानून इसी एनएसी के जरिये आया था। इसने देश की एक बड़ी आबादी को कोरोना काल में भूखे मरने से बचाया था। इसका महत्व इसी बात से लगाया जा सकता है कि संसद में इसे कांग्रेस सरकार की शविफलता का स्मारकश बतलाने वाले मोदी की पार्टी इसके तहत हुए कामों का बखान अपने चुनावी घोषणापत्र में करती दिखाई दी। सोनिया का लेख मोदी को बेनकाब करता है।

मतदाता जागरूकता के लिए लगी चुनावी पाठशाला

चुनावी पाठशाला में 9 दिसम्बर तक मतदाता बनने हेतु किया जागरूक

मतदाता सूची निर्वाचन की आत्मा है-चुनावी पाठशाला

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी अनुज कुमार झा जी के निर्देशन में चल रहे मतदाता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत विकास खण्ड शाहगंज में लगभग सभी परिषदीय विद्यालयों पर खण्ड शिक्षा अधिकारी अमरदीप जायसवाल के नेतृत्व में चुनावी पाठशाला आयोजित कर लोगों को मतदाता बनने हेतु जागरूक किया गया। कहीं रैली निकाली, कहीं संगोष्ठी हुई तो कही चौपाल लगाकर अर्ह लोगों को मतदाता बनाने के लिए जागरुक करने को, लोगों ने संकल्प लिया।

प्राथमिक विद्यालय मेहरांवा, राजेपुर में आयोजित कार्यक्रम में खण्ड शिक्षा अधिकारी शाहगंज अमरदीप जायसवाल ने कहा कि जो युवा एक जनवरी 2024 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं वह अपना नाम मतदाता सूची में सम्मिलित करायें। उन्होंने लोगों से अपील किया कि स्वयं व दूसरों को जागरूक करें विशेषकर महिलाओं एवं युवा मतदाता जिनकी संख्या जनसंख्या के अनुपात में कम पंजीकृत है उनके लिए पंजीकरण पर विशेष ध्यान एवं दिव्यांग मतदाताओं का पंजीकरण किया जाना है। यदि आप बीएलओ से नहीं मिल पा रहे हैं तो मतदाता सूची में नाम सम्मिलित करने व चेक करने के लिए वोटर हेल्पलाइन ऐप या वोटर सर्विस पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। आगे उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपील किया कि सभी अपने घर तथा आसपास के लोगों को मतदाता सूची में नाम जोड़वाने हेतु प्रेरित करें।

जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने कहा कि मतदाता सूची निर्वाचन की आत्मा है। यदि मतदाता सूची स्वच्छ एवं पारदर्शी है तो निर्वाचन में कोई कठिनाई नहीं आएगी। इसी मतदाता सूची को पुनरीक्षित करने के लिए निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम चल रहा है। मतदाता अपने-अपने बी.एल.ओ. से सम्पर्क कर मतदाता सूची देखें। यदि सूची में उनका नाम नहीं है, अथवा नाम गलत है तो बीएलओ के माध्यम से फार्म प्राप्त कर अपना नाम मतदाता सूची में सम्मिलित करा सकते हैं। 02, 03 दिसम्बर को सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ बैठेगी।

दावे व आपत्ति 09 दिसम्बर तक प्राप्त किया जायेगा।

इस अवसर पर नोडल संकुल रुपेश सिंह, संकुल रजनीश सिंह, ए. आर.पी. प्रशांत मिश्र, सुजीत सोनकर, प्रभाकर उपाध्याय, मिथिलेश द्विवेदी, अमरेन्द्र सिंह, नितेश कुमार, विजय बहादुर यादव, प्रियंका सिंह, गिरीश सिंह, हेमलता, श्वेता सिंह, पंकज देव मिश्र, पूनम सिंह, राजकुमार, शकुन्तला देवी, नीरा यादव, आगनबाड़ी, सहायिका आदि उपस्थित रहे तथा शाहगंज ब्लाक के सभी विद्यालयो पर चुनावी पाठशाला आयोजित करने में सभी शिक्षक शिक्षामित्र अनुदेशक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का योगदान।

एस0के0डी0 एकेडमी वार्षिकोत्सव के अन्तिम दिन का संदेश वसुधैव कुटुम्बकम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस0के0डी0 एकेडमी का वार्षिकोत्सव के अन्तिम दिन ई-ब्लॉक राजाजीपुरम शाखा का समारोह वृन्दावन शाखा में हुआ जिसमें कक्षा 2 से 9 एवं कक्षा 11 के बच्चों द्वारा कई रंगारंग कायक्रम प्रस्तुत किए गए।

समारोह का शुभारम्भ डा0 दिनेश शर्मा, राज्यसभा सांसद एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री, उ0प्र0, प्रदीप सिंह जे.डी. एजुकेशनल डायरेक्ट, बरेली जोन, एवं राजेश पाण्डेय, पूर्व आई0जी0 द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। तत्पश्चात् चेयरमैन एस.के. डी. सिंह, निदेशक मनीष सिंह, उप निदेशक श्रीमती निशा सिंह एवं सह निदेशक श्रीमती कुसुम बत्रा द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न, शाल व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। ई ब्लॉक शाखा की प्रधानाचार्या डा0 शैली श्रीवास्तव ने धन्यवाद भाषण द्वारा उपस्थित मुख्य अतिथि, अभिभावकों, प्रेस व मीडिया तथा शहर के गणमान्य नागरिकों का अभिनन्दन किया।

एस के डी अकादमी के वार्षिकोत्सव में आज के समय के मुख्य विषयों को बच्चों के प्रदर्शन द्वारा दर्शाया गया जैसे कि वन्य जीवो को बचाये वृक्षों को ना काटे वृक्षारोपण करें जल संरक्षण करें स टैक्निकल बने लेकिन टेक्नोलॉजी को अपने ऊपर हावी ना होने दे स इन सभी विषयों को उजागर करने व कई प्रोग्राम की स्क्रिप्ट का निर्देशन एस के डी ग्रुप के निदेशक मनीष सिंह के सहयोग से पूरा हुआ है स साथ ही उन्होंने मिलेट्स मोटा अनाज पर भी ध्यान देने को कहा स मौजूदा समय में इन सभी विषयों पर ध्यान देने की व उसको अपने जीवन में उतारने की सबसे अपील की। मुख्य अतिथियों ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों की मुक्त कण्ठ से सराहना की। इस बात की सरहना की कि एस.के.डी. एकेडमी में शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को अपने संस्कारों, अपनी धरोहरों एवं विशिष्ट संस्कृति से जोड़ने का प्रयास किया जाता है जो वाकई प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि आज कल बच्चों इतनी अधिक क्षमता एवं टैलेंट है और विद्यालय के प्रोत्साहन से उसमें और भी निखार आता है। वार्षिकोत्सव के अधिकतर कार्यक्रम अपने अंदर कोई न कोई संदेश छुपाए हुए हैं जो हमें झकझोरने का काम करते हैं।

विद्यालय के निदेशक मनीष सिंह ने आये अतिथि व अभिभावकों के सहयोग की सराहना करते हुए बच्चों के खूबसूरत प्रस्तुतिकरण की प्रशंसा करते हुए कहा कि, ष्हमारे एस0 के0 डी0 के संस्थापक एस.के.डी. सिंह एवं निदेशक मनीष सिंह का हमेशा यह प्रयास रहा है कि विद्यालय में विद्यार्थी का समुचित विकास हो इसीलिए शिक्षा के साथ उनके लिए समय-समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, बच्चो की गाइडेन्स हेतु होने वाली वर्कशाप आदि आयोजित किये जाते हैं उन्होंने आगे मानव और मशीन के कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कहा गया कि हमारे जीवन के आधुनिकता एवं मशीन का योगदान होना चाहिए नाकि आधुनिकता व मशीन हम पर हावी होना चाहिए। इसके लिए हम अपने सभी अतिथियों का अपने अभिभावकों के सहयोग व स्नेह के हमेशा आभारी रहेंगे। साथ ही जो भी संदेशात्मक प्रस्तुतियां हमारे बच्चों ने पेश की उसमें जो भी संदेश है उसको हमारा पूर्ण विद्यालय अमल करता है चाहे वो पेड़ लगाने का पर्यावरण बचाने का या जल संरक्षण का हो। विद्यालय के संस्थापक प्रबंधक एस0के0डी0 सिंह ने सभी कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए बच्चों को अपना आशीर्वाद दिया व कहा कि ष्बच्चों ने जो कार्यक्रम प्रस्तुत किये वो न केवल हमारा मनोरंजन करते हैं बल्कि हमारी संस्कृति, सभ्यता व अखण्डता से परिचित कराते हैं। लगभग सभी कार्यक्रम हम बड़ों को कोई न कोई संदेश देते हैं। हमें बच्चों के इन प्रयासों व उनकी भावनाओं को सदा उनके भीतर जिन्दा रखना है ताकि यही भावनाएं उन्हें एक सभ्य व अनुशासित भारतीय बनने में व भारत के विकास में सहयोग दें।

विकसित भारत संकल्प यात्रा' के तहत ग्रामीण संवाद कार्यक्रम' आयोजित

विशेष वैन के माध्यम से शासन के द्वारा संचालित योजनाओं का किया गया व्यापक प्रचार-प्रसार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आज जनपद के विकासखंड सिकरारा की ग्राम पंचायत हरिगॉव, पालपुर, धर्मापुर की ग्राम पंचायत कुरेथ ,खटोलिया, सिरकोनी की ग्राम पंचायत महरूपुर फरीदपुर, मुफ्तीगंज की ग्राम पंचायत उमरी और भौसिंहपुर, केराकत की ग्राम पंचायत डेडुवाना , नदौली,डोभी की ग्राम पंचायत बगेरवा, बरौटी, रामनगर की ग्राम पंचायत बनेवरा ,तिवरान, बरसठी की ग्राम पंचायत धर्मदासपुर, दीनापुर, मछलीशहर की ग्राम पंचायत पहाड़पुर, भिदूना, मुंबादशाहपुर की ग्राम पंचायत भसोट कुडरिया, महराजगंज खजुरन और बेहारी, बदलापुर के डडवा और मोलनापुर, सुईथाकला पिपरौल और सुकर्णाकलॉ, शाहगंज रसुलपुर ,समैसा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुफ्तीगंज की ग्राम पंचायत उमरी और धर्मापुर की ग्राम पंचायत ,खटोलिया में उपनिदेश कृषि हिमांशु पाण्डेय और डिप्टी पीडी आत्मा डा रमेश चन्द्र के द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किया गया। आज स्वास्थ्य शिविर में कुल 5190 लोगों की जांच की गयी जिसमें 3709 लोगो की टी. बी की जांच की गयी। 370 सिकल सेल एनीमिया की जांच की गयी, पीएम उज्ज्वला 174 व्यक्तियों को नया नामांकन किया गया। 19492 लोगों ने देश को विकसित बनाने का संकल्प लिया। 17 जगहों पर ड्रोन से नैनो युरिया, डीएपी, का प्रदर्शन किया गया और बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण, पीएम किसान योजना में नया पंजीकरण, ई-के0वाई0सी0 की सुविधाओं से ग्रामवासियों को आच्छादित किया गया। सहकारिता विभाग के अन्तर्गत ग्रामीणों को सहकारी समिति का सदस्य बनाकर प्रमाण पत्र देते हुए उन्हें लाभान्वित किया गया। रासायनिक उर्वरकों के वैकल्पिक उर्वरकों जैसे ड्रोन के माध्यम से नैनो युरिया एवं नैनो डीएपी के प्रयोग का प्रदर्शन व प्रचार-प्रसार किया गया। कृषि विभाग द्वारा जागरुकता स्टॉल लगाते हुए विभिन्न कृषि, कृषक आधारित योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को प्रोत्साहित किया गया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत प्रमाण पत्र वितरित किया गया। कृषि विभाग द्वारा मृदा परीक्षण, प्राकृतिक खेती, श्रीअन्नधमिलट्स की उपयोगिता, स्थानीय कृषि उत्पादन संगठनों के उत्पादन के प्रति प्रदर्शनी रबी अभियान के अन्तर्गत प्रगतिशील कृषकों द्वारा उच्च उत्पादकता प्राप्त करने हेतु संवाद कार्यक्रम किया गया।

स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत स्टॉल के माध्यम से चिकित्सा परीक्षण एवं आयुष्मान कार्ड वितरण किया गया। पशुपालन विभाग के स्टॉल के अन्तर्गत पशुओं सामयिक टीकाकरण व रोगों के बारे में कृषकों को जागरुक किया गया। आपूर्ति एवं विपणन विभाग के स्टॉल के अन्तर्गत पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के अन्तर्गत निःशुल्क राशन एवं पीएम उज्ज्वला योजना पर प्रकाश डाला गया।

डायट परिसर में के पी आई की बैठक आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। डायट जौनपुर में उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को KPI की बैठक आयोजित की गयी प्राचार्य द्वारा निम्नलिखित आवश्यक बिंदुओं पर समीक्षा की गयी स जिसमे डैस बोर्ड पर निपुण लक्ष्य की उपलब्धि की ब्लाकवार स्थिति एवं प्रस्तुतीकरण

,डायट प्रशिक्षुओं द्वारा माह नवम्बर 2023 में निपुण लक्ष्य ऐप के माध्यम से आकलन की चर्चा तथा तैयारी।

,छ ाज-1 के परिणामों पर विकास खण्डवार विस्तृत चर्चा

,शत-प्रतिशत शिक्षकों का निपुण लक्ष्य ऐप पर लागिन तथा उपयोग की स्थिति।

,कक्षा-1 से 05 तक शिक्षको द्वारा शत-प्रतिशत आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिकाधनिर्देशिका के उपयोग

,बी0आर0सी पर शिक्षक प्रशिक्षण से सम्बंधित अवस्थापना सुविधाओं के उपलब्धता की स्थिति।

,सभी शिक्षण संकुल द्वारा डी0सी0एफ0 भरे जाने की स्थिति।,स्वीफ्ट चौट ऐप एवं दीक्षा ऐप प्रयोग की स्थिति।

सुशील कुमार उपाध्याय ए0आर0पी0 सिकरारा द्वारा चयनित विद्यालयों को निपुण बनाने हेतु

,टीम ए0आर0जी0 द्वारा आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका आधारित शिक्षण योजना एवं संगत वीडियो का प्रस्तुतीकरण।

जिला समन्वयक बालिका शिक्षा द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में छात्राओं के नामांकन, उपस्थिति की अद्यतन स्थिति, कम उपस्थिति पर किये गये प्रयास एवं 31 पैरामीटर पर संतुप्तीकरण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गयी स

जिसमें वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. रवीन्द्र नाथ, समस्त ठम्व, समस्त डायट मेंटर, समस्त ल्ल, समस्त त्च प्रतिभाग किये।

पल्स पोलियों अभियान को सफल बनाने के लिए ब्लाक टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न

अयोध्या। आगामी पल्स पोलियो अभियान की शत प्रतिशत सफल बनाने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मसौधा मे ब्लॉक टॉस्क फोर्स की बैठक सम्पन्न हुई।बैठक मोबीलाइजेशन कोडीनेटर मसौधा ब्लाक बताया गया कि 10 दिसम्बर रविवार को पोलियो बूथ लगेगा इसे शत् प्रतिशत सफल बनाने में सभी विभागों से सहयोग करना सुनिश्चित करें।ब्लॉक मोबीलाइजेसन कोडीनेटर ब्लॉक मसौधा द्वारा बताया गया कि इसे सफल बनाने में सभी एएनएम व आंगनवाडी के साथ साथ आशा बहू जन्म से लेकर पांच साल तक के सभी बच्चों का सर्वे अपडेट कर लें। साथ ही साथ वार्ड सदस्य नगर

पंचायत भदरसा,ग्राम प्रधान,ब्लॉक मसौधा कोटेदार की मीटिंग कर उनसे आपसी सामंजस्य स्थापित कर पोलियो अभियान मे सहयोग प्रदान करें। शिक्षा विभाग द्वारा जनजागरूकता रैली निकाली जाए।आशा बहू,आंगनवाड़ी द्वारा सभी चिन्हित बच्चों की माता के साथ की बैठक कर उन्हें अपने बच्चों को पोलियो से बचाव की जानकारी दे और पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए प्रेरित करें।इसके अलावा घर घर जाकर पोलियो अभियान के बारे मे बताया जाए।उन्होने बताया कि सबसे अधिक चिथरिया,भदोखर, भदरसा,शिव नगर कालोनी,रेथुवा,फिरोज पुर गॉव पर विशेष ध्यान देने की जरुरत है।बैठक मे स्वास्थ्य विभाग,आंगनवाड़ी विभाग,पंचायत राज विभाग,नगर पंचायत विभाग, शिक्षा विभाग के अधिकारी,बिपिन गुप्ता,अमित वर्मा,मॉनिटर रमाशंकर पाण्डेय,अफजल,काउंसलर सत्य बोध,अर्चना सिंह,अमिताभ सिंह,प्रतिनिधि सहायक विकास अधिकारी जीशान हैदर,संतोष पाण्डेय मौजूद रहे।

बीजेपी मोर्चा के बैनर तले नमो कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन होगा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के बैनर तले नमो कबड्डी प्रतियोगिता का तीन दिवसीय आयोजन होगा जिसको लेकर आज किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष नरेन्द्र उपाध्याय ने जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह जिला महामंत्री किसान मोर्चा इन्द्रसेन सिंह जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा घनश्याम यादव के साथ बी आर पी इण्टर कालेज के मैदान का निरीक्षण किया और इस संबंध में की जा रही तैयारियों पर विचार विमर्श किया। जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा नरेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि किसान मोर्चा की ओर से नमो कबड्डी प्रतियोगिता कराई जाएगी। इसमें मंडल स्तर से कबड्डी की टीम का चयन करके जिला स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन होगा जो कि नाक आउट प्रतियोगिता होगा इसमें 16 टीम भाग लेगी पहले लीग मैच होगा विजई टीम में क्वाटर फाइनल होगा उसमें चार विजेता टीम में सेमीफाइनल होगा उसके पश्चात दो विजयी टीम में फाइनल मैच होगा। विजयी टीम प्रदेश स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। विजयी टीम को पुरस्कार का वितरण भी भाजपा किसान मोर्चा द्वारा किया जाएगा। नमो कबड्डी प्रतियोगिता का उद्घाटन 30 नवंबर को होगा और 2 दिसम्बर को समापन होगा।

डॉ0 ए0के0 सिंह ने वर्ल्ड मूवमेंट डिसऑर्डर डे पर मूवमेंट डिसऑर्डर से ग्रस्त मरीजों से जागरूकता कार्यक्रम में बात-चीत की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ में न्यूरोलॉजी विभाग द्वारा वर्ल्ड मूवमेंट डिसऑर्डर डे मनाया गया।

न्यूरोलॉजी विभाग के डॉ0 दिनकर कुलश्रेष्ठ और विभागाध्यक्ष डॉ0 ए0के0 सिंह ने वर्ल्ड मूवमेंट डिसऑर्डर डे पर मूवमेंट डिसऑर्डर से ग्रस्त मरीजों से जागरुकता कार्यक्रम में बात-चीत की और प्रो0 दिनकर ने बताया कि किन कारणों से यह रोग होता है। प्रो0 (डा0) ए0के0 सिंह ने मरीजों को इन बीमारियों की समय से चिकित्सकों से मिलने वाले लाभ और उपलब्ध जॉचों के बारे में बताया।

कार्यक्रम में शामिल पी0एम0आर0 विभाग के अध्यक्ष प्रो0 वी0एस0 गोगिया और असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ0 जावेद ने रिहैबिलिटेशन मे होने वाले लाभ और इन बीमारियों में मानसिक भ्रांतिं और तनाव मुक्ति के फायदो पर प्रकाश डाला।

सेवायोजन कार्यालय' में रोजगार मेला' का आयोजन 30 नवम्बर को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला सेवायोजन अधिकारी शशिकान्त सरोज ने अवगत कराया है कि शासन के निर्देश पर 'मिशन रोजगार कार्यक्रम' के अन्तर्गत सेवायोजन विभाग के द्वारा 30 नवम्बर 2023 को प्रातः 10:00 बजे जिला सेवायोजन कार्यालय जौनपुर में 'रोजगार मेला' का आयोजन किया जा रहा है। इसमें निजी क्षेत्र की 05 से अधिक कम्पनियॉ के द्वारा प्रतिभाग कर युवाओं को रोजगार प्रदान किया जायेगा रोजगार मेले में हाईस्कूल, स्नातक, परास्नातक, एवं जिनकी आयुसीमा 18 से 35 वर्ष तक अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते है। रोजगार मेले में युवाओं की कैरियर कॉउन्सिलिंग एवं स्वरोजगार योजना की जानकारी दिया जायेगा। जिला सेवायोजन अधिकारी शशिकान्त सरोज ने बताया कि इस रोजगार मेला में सम्मिलित होकर बेरोजगार छात्र-छात्राएं अधिक से अधिक लाभ उठाएं एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें। तथा रोजगार मेले में अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति आई0डी प्रूफ सहित प्रतिभाग कर सकते है।

लखनऊमें एस आर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु कैबिनेट की मंजूरी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस आर विश्वविद्यालय की स्थापना व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण की वर्तमान समय की आवश्यकता के अनुरूप परंपरागत पाठ्यक्रमों के संचालन के साथ-साथ वर्तमान ट्रेंड के अनुसार शिक्षण प्रशिक्षण एवं रोजगारमुखी पाठ्यक्रम एवं सम्यक विकास की पूर्ति के लिए किया गया है।अब इस निजी विश्वविद्यालय को स्थापित करने के लिए प्रायोजक निजी संस्थान मानक के अनुसार इनका निर्माण कार्य शुरू करेगी। एस आर विश्वविद्यालय आने वाले समय में सीतापुर, शाहजहांपुर,हरदोई, लखीमपुर, खीरी के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा एवं रोजगार पर शिक्षा का सीधा लाभ विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित शैक्षिक एवं शोध कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि विभाग ,शिक्षा संकाय, फार्मेसी , चिकित्सा विज्ञान,साइंस ट्रेडिशनल स्कीम, आईटी स्कीम, मैनेजमेंट इंजीनियरिंग, जर्नलिज्म, विधि ,पैरामेडिकल, होटल मैनेजमेंट, आदि शाखों में विभिन्न पाठ्यक्रम का अध्ययन अध्यापन शिक्षण प्रशिक्षण एवं शोध आदि कार्यक्रम संचालित करेगी जिन बिंदुओं को लेकर विश्वविद्यालय का गठन किया गया है उसमें अनुसंधान शोध एवं विकास कार्य ,ज्यादा से ज्यादा उत्पादों को पेटेंट का, कार्य भारतीय समाज से प्रतिभा पलायन को रोकना, समाज में भारतीय संस्कृति को पुनः स्थापित करने ,नवीन शोध एवं स्टार्टअप पर जोर, नवीन विधाओं एवं शोध एवं अनुसंधान पर जोर देना,समाज के आर्थिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़े मेधावी छात्र-छात्राओं को व्यवसायिक एवं रोजगार उन्मुख शिक्षा प्रदान करना तथा स्वावलंबी बनकर भारत के विकास में योगदान देना रहा है।

राज्यपाल के हाथों 123 स्वर्ण पदक पाकर छात्रों के चेहरे पर दिखी खुशी की लहर

28 वें दीक्षांत समारोह में 79 स्वर्ण पदक के साथ छात्राओं ने मारी बाजी

अयोध्या। (डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)। राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 28 वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति एवं प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल व कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के हाथों स्वर्णपदक पाकर छात्र–छात्राओं के चेहरे खिल उठे।दीक्षांत समारोह में कुल 123 स्वर्णपदक प्रदान किए गए।जिसमें 30 कुलपति स्वर्णपदक, 76 कुलाधिपति स्वर्णपदक एवं दानस्वरूप के रूप में 17 स्वर्णपदक छात्र–छात्राओं को दिए गए। इसमें 79 स्वर्णपदक के साथ छात्राओं का प्रतिशत 64 रहा।वही 44 स्वर्णपदक छात्रों को मिला इनका प्रतिशत 36 रहा है।दीक्षांत समारोह में सर्वाधिक अंक पाने वालों में उमा यादव बी०ए, ज्योति श्रीवास्तव बी०एस०–सी०, अनामिका यादव बीकॉम, शिवम बीएससी, पल्लव घोषाल बी०टेक० (ब्रान्च–आई०टी०) आवासीय परिसर, श्रेया पटेल, बी०टेक० (ब्रान्च–एम०ई०) आवासीय परिसर, अंशिका सिंह बीटेक० (ब्रान्च–सी०एस०) आवासीय परिसर, उन्नति सिंह, बी0टेक० (ब्रान्च–ई०सी०) आवासीय परिसर, विनय कुमार यादव बी०टेक० (ब्रान्च–सिविल इंजीनियरिंग) आवासीय परिसर, रूबी यादव बी0टेक० (ब्रान्च–इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग) आवासीय परिसर, प्रियांशु पाण्डेय बी०वोक० टूरिज्म एण्ड हॉस्पिटलिटी (आवासीय परिसर), अंजली सिंह को बी०एड० की परीक्षा में सर्वाधिक अंक के लिए स्वर्णपदक प्रदान किए गए।वहीं 30 कुलपति स्वर्णपदक सर्वाधिक अंक के लिए छात्र–छात्राओं को प्रदान किया गया। राजेन्द्र विक्रम सिंह को बी0लिब०, वर्तिका यादव को बी०पी०ई०एस०, प्रगति सिंह बी०एस–सी० (आवासीय परिसर), अंजली यादव बैचलर आफ विजुअल आर्ट (आवासीय परिसर), अपाला को बी०बी०ए०, ज्योति बी०सी०ए०, शाहजरीन आलम, एम०बी०बी०एस०, सौम्या सेठ बी०डी०एस०, कुमकुम को बी०एस–सी० नर्सिंग की परीक्षा में सर्वाधिक अंक स्वर्णपदक प्रदान किया गया है। वहीं वर्षा निगम को बी०पी०टी०, अनुजा वर्मा को वर्ष 2022 नर्सिंग, शिवेन्द्र द्विवेदी बी०एम०एलटी०, आदर्श रतन सिंह बी०एस–सी० आप्टीमेट्री, उमना फातिमा को बी०एस–सी० बी०आर०डी०आई०टी०, शिवम पाण्डेय बी०वोक० एम०सी० जे० (आवासीय परिसर), सपना वर्मा को बी०वोक० फैशन डिजाइन एण्ड गारमेंट टेक्नालोजी (आवासीय परिसर), प्रियांशी श्रीवास्तव बी0लिब० आई०एस०सी० (आवासीय परिसर) व अंशुमान सिंह को बी0एस0डब्ल्यू० (आवासीय परिसर) की परीक्षा में सर्वाधिक अंक के लिए कुलपति स्वर्णपदक प्रदान किए गए।दूसरी ओर 76 कुलाधिपति स्वर्णपदक छात्र–छात्राओं को मिला जिनमें अनामिका द्विवेदी को एम०ए० हिन्दी, जीनत खांतून एम०ए० अंग्रेजी, आरती एम०ए० संस्कृत, नंजीफा खांतून एम०ए० उर्दू, अंशू सिंह एम०ए० समाज शास्त्र, प्रखर एम०ए० राजनीति शास्त्र, शालिनी सिंह एम०ए० प्राचीन इतिहास, अमित कुमार श्रीवास्तव एम०ए० शिक्षाशास्त्र, अंजली एम०ए० मध्यकालीन तथा आधुनिक इतिहास, सानिया सनोबर एम०ए० अर्थशास्त्र, विनय कुमार को एम०ए० दर्शन शास्त्र में सर्वाधिक अंक के लिए स्वर्णपदक प्रदान किया गया। वहीं कुलाधिपति स्वर्णपदक के लिए अंकित कुमार एम०ए० भूगोल, अल्का एम०ए० रक्षा एवं स्त्रातंत्रिक अध्ययन, हर्षिता द्विवेदी एम०ए० मनोविज्ञान, साक्षी वर्मा एम०ए० गृह विज्ञान, विजय एम०ए० संगीत (गायन), पूजा एम०ए० चित्रकला, हर्षिता वर्मा, एम०एस–सी० भौतिक विज्ञान, आस्था मौर्या एम०एस–सी० रसायन विज्ञान, पल्लवी शुक्ला एम०एस–सी० वनस्पति विज्ञान, नित्या शुक्ला एम०एस–सी० प्राणि विज्ञान, अंकिता तिवारी एम०एस–सी० प्राणि विज्ञान, प्रज्जवल कुमार एम०एस–सी० सूक्ष्म जीव विज्ञान, करिश्मा को एम०एस–सी० पर्यावरण विज्ञान की परीक्षा में सर्वाधिक अंक के लिए स्वर्णपदक प्रदान किया गया।इसी क्रम में आशीष कुमार कसौधन को एम०एस–सी० (गणित), आयुष राय एम०कॉम०, दिव्या प्रियदर्शी एम०डी० डरमेटोलॉजी वेनरोलॉजी एण्ड लेप्रोसी, रश्मि नाम्बियार एम०एस० ओथे एण्ड रिहीनो एण्ड लैरिंगोलॉजी, श्वेता तिवारी एम०एड०, आशीष राज एम०पी०एड०, विकम प्रताप सिंह एम०बी०ए० (आवासीय परिसर), प्रियांशू उपाध्याय एम०बी०ए० ब्रान्च–एग्री० बिजनेस (आवासीय परिसर), रश्मि एम०बी०ए० ब्रान्च–फाइनेन्स एण्ड कंट्रोल (आवासीय परिसर), मयंक भारती एम०बी०ए० ब्रान्च–हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेन्ट (आवासीय परिसर), दीपक कुमार तिवारी एम०बी०ए० ब्रान्च–टूरिज्म मैनेजमेन्ट (आवासीय परिसर), सना कौशर द्विवर्षीय एम०सी०ए० (आवासीय परिसर), बसुधा श्रीवास्तव एम०एस–सी० जैव तकनीकी (आवासीय परिसर), आइमन फातिमा एम०एस–सी० जैवरसायन विज्ञान (आवासीय परिसर), अनूप कुमार मिश्रा एम०एस–सी० गणित एवं सांख्यिकी (आवासीय परिसर) को सवार्धिक अंक के लिए स्वर्णपदक प्रदान किए गए है। वही मो० तनवीर रजा एम०ए० अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास (आवासीय परिसर), सविता कंवर एम०ए० इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व (आवासीय परिसर), प्रियंका एम०एस–सी० सूक्ष्म जीव विज्ञान (आवासीय परिसर), सैयद इंतखाब अहमद एम०एस–सी० पर्यावरण विज्ञान (आवासीय परिसर), सौरभ एम०एस–सी० भौतिकी (इलेक्ट्रॉनिक्स) (आवासीय परिसर), शिवम त्रिपाठी एम०एस–सी० इलेक्ट्रॉनिक्स (आवासीय परिसर), सुभांगी सिंह एम०ए० अंग्रेजी (आवासीय परिसर), रोशनी कुमारी एम०ए० एम०सी० जे० (आवासीय परिसर), डा0 अंकिता चौधरी एम०पी–एच० (आवासीय परिसर), स्नेहा मिश्रा एम०एस० डब्ल्यू० (आवासीय परिसर), सोनम यादव को एम०ए०–प्रसार शिक्षा एवं ग्रामीण विकास (आवासीय परिसर) स्वर्णपदक प्रदान किया गया।समारोह में कुलाधिपति स्वर्णपदक के रूप में कुलदीप कुमार मौर्य को वर्ष एम०टी०ए० (आवासीय परिसर), मो० राशिद हाशमी एम०लिब० (आवासीय परिसर), रोहित कुमार श्रीवास्तव एम०लिब०, काजल गुप्ता एम०ए०–मानव चेतना, योग विज्ञान एवं उपचार (आवासीय परिसर), कविता कनौजिया एम०एफ०ए०–पेंटिंग (आवासीय परिसर), नेहा गुप्ता एम०ए० हिन्दी लैंग्वेज एण्ड लिट्रेचर (आवासीय परिसर), सत्या उपाध्याय एम०ए० एप्लाइड साइकोलॉजी (आवासीय परिसर), अंकिता श्रीवास्तव एल०एल०एम० (आवासीय परिसर), हेमन्त सिंह एम०ए० समाजशास्त्र (आवासीय परिसर), धर्मवीर वर्मा एम०ए० अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध (आवासीय परिसर), वैष्णवी त्रिपाठी एम०ए० ड्राइंग एण्ड पेन्टिंग (आवासीय परिसर), विशाल विश्वकर्मा एम०एस–सी० भू–भौतिकी (आवासीय परिसर), अभिनव श्रीवास्तव एम०एस–सी० जियोलोजी (आवासीय परिसर), कामिनी यादव एम०ए० भूगोल (आवासीय परिसर), सुजीत श्रीराम पाल, एम०डी०एस० (पीडियाट्रिक डेन्टिस्ट्री), मोनिका सिंह एम०डी०एस० (पीडियाट्रिक डेन्टिस्ट्री), मेनका मिश्रा एम०एस–सी० नर्सिंग, आदर्श श्रीवास्तव एम०एस–सी० एम०एल०टी०, रंजना शुक्ला एनपीसीसी, जतिन गर्ग एम०टेक० ईसीई (आवासीय परिसर), सिद्धान्त कुमार गौतम एम०टेक० इन्फारमेशन इंजीनियरिंग (आवासीय परिसर) की परीक्षा में सर्वाधिक अंक के लिए स्वर्णपदक प्रदान किए गए। इसी क्रम में प्रेक्षा वर्मा को एम०टेक० मैकेनिकल इंजीनियरिंग (आवासीय परिसर), हर्षिता सिंह एम०टेक० कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग (आवासीय परिसर), अदीबा खानम एम०ए० गवर्नेन्स इन पब्लिक पालिसी (आवासीय परिसर), सपना अग्रहरी एम०एस–सी० गृह विज्ञान (फूड न्यूट्रीशन), अदिति गुप्ता एम०एस–सी० गृह विज्ञान (चाइल्ड डेवलपमेंट) की परीक्षा में सर्वाधिक अंक के लिए स्वर्णपदक दिए गए।वही दानस्वरूप स्वर्णपदक के लिए 17 पदक छात्र–छात्राओं को दिए गए जिनमें अनामिका द्विवेदी को एम०ए० हिन्दी की परीक्षा में सर्वाधिक अंक के लिए रणंजय स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। आरती को एम०ए० संस्कृत रणवीर स्वर्ण पदक, जीनत खांतून को एम०ए० अंग्रेजी साहित्य महारथी डा० रमा शंकर तिवारी को स्वर्ण पदक, शालिनी सिंह को एम०ए० प्राचीन इतिहास गणेश दत्त शुक्ला को स्वर्ण पदक, आस्था मौर्या को एम०एस–सी० रसायन विज्ञान डा० डी०एस० भाकुनी स्वर्ण पदक, उमा यादव को बी०ए० में सेठ द्वारिका दास झुनझुनवाला स्वर्ण पदक, कु० ज्योति श्रीवास्तव को बी०एस०–सी0 राजा जगदम्बिका प्रताप नारायण सिंह स्वर्ण पदक प्रदान, अनामिका यादव को बी०कॉम० की परीक्षा में सर्वाधिक अंक के लिए सिंहानिया स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। इसी क्रम में तृप्ति सिंह को बी०एस० सी० प्राणि विज्ञान में रमेन्द्र मोहन मिश्र स्वर्ण पदक पल्लवी मौर्या को स्नातक स्तर पर संगीत विषय की परीक्षा में स्व० विष्णु कुमार कपूर स्मृति स्वर्ण पदक, सानिया सनोबर को एम०ए० अर्थशास्त्र के लिए स्व० एस०पी० तिवारी स्मृति स्वर्ण पदक, विकम प्रताप सिंह को एम०बी०ए० (आवासीय परिसर) गौरव अरोड़ा स्वर्ण पदक, संविता कंवर को इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व (आवासीय परिसर) की परीक्षा में सर्वाधिक अंक के लिए डा0 विश्वमित्र उपाध्याय स्वर्ण पदक, अनूप कुमार मिश्रा को एम०एस–सी० गणित एवं सांख्यिकी (आवासीय परिसर) ई०एस० चन्द्रशेखर स्वर्ण पदक, मो० तनवीर रजां को एम०ए० अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास (आवासीय परिसर) स्व० राम कृष्ण सिन्हा स्मृति स्वर्ण पदक, प्रसून पाण्डेय को एम०बी०ए० मार्केटिंग ग्रुप आवासीय परिसर स्व० राजीव रंजन राय स्मृति स्वर्ण पदक, प्रखर को एम०ए० राजनीति शास्त्र को पदक दिया गया। इस मौके पर पर राज्यपाल के आगमन पर मण्डलायुक्त गौरव दयाल, पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी नितीश कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरन नैय्यर सहित मण्डलध्जनपद के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वागत किया।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर शाहाबाद पंढरपुर पिहानी और भरखनी के दिव्यांग बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिताएं संपन्न

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। आज अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के शुभ अवसर पर दिव्यांग बच्चों का तहसील स्तरीय समेकित खेल कूद एवम सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक संसाधन केंद्र शाहाबाद में सम्पन्न हुआ।इस अवसर पर विकास खण्ड शाहाबाद, टोडरपुर, पिहानी एवम भरखनी के 71 दिव्यांग बच्चों ने प्रतिभाग किया। जिसमें विविध खेलों को सम्पन्न कराया गया।

घण्टी दौड़ में गोलू प्रथम ब्लॉक टोडरपुर

देशराज पिहानी द्वितीय,नैमिष पाल शाहाबाद तृतीय रहे। जलेबी दौड़ में सुनयना शाहाबाद प्रथम,नैन्सी टोडरपुर द्वितीय,आरती शाहाबाद तृतीय रही।

कुर्सी दौड़ में शिवा शाहाबाद प्रथम नैन्सी शाहाबाद द्वितीय,मुस्कान टोडरपुर तृतीय रही।

50मीटर दौड़ में अरबाज टोडरपुर प्रथम ,अभिषेख भरखनी द्वितीय कृष्णा शाहाबाद तृतीय रही।

माला गूँथन में सुनयना (प्रथम)शाहाबाद प्रथम,पूनम भरखनी द्वितीय सुनयना विद्यार्थी तृतीय रही।

इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार झा, सन्तोष अग्निहोत्री महामन्त्री जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ हरदोई, रामगोपाल यादव प्रधानाध्यापक शाहाबाद, विशेष शिक्षक श्रीश चन्द्र पाण्डेय शाहबाद, अर्चना द्विवेदी टोडरपुर, राधा देवी पिहानी, ओंकार अवस्थी व नीलम सिंह भरखनी शिवम शुक्ला लेखाकार शाहाबाद ,दिव्यांशु शुक्ल ,आलोक सैनी, नितानशी, एवम दिव्यांग बच्चों को अभिभावकगण उपस्थित रहे।विजयी बच्चों को पुरस्कार वितरण किया गया।

10 दिसम्बर को होगा चौधरी चरण सिंह संदेश रथ यात्रा का शुभारम्भ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नीरपाल सिंह तथा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने संयुक्त रूप से पत्रकार बन्धुओं से वार्ता की।

प्रेसवार्ता में रोहित अग्रवाल ने कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय चौधरी चरण सिंह ने किसानों के हित में बड़े काम किए हैं हमें उनके बताए रास्ते पर चलना है। उन्होंने हमेशा किसानों का अस्तित्व बचाने के लिए लड़ाई लड़ी और राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयन्त सिंह जी किसान मसीहा के बताये रास्ते पर चलकर किसानों के हितों के लिए सड़क से संसद तक आवाज उठा रहे हैं। अग्निवीर योजना से युवाओं में हताशा और निराशा है। किसानों को एमएसपी का लाभ नहीं मिल रहा है। हमारी पार्टी के विधायक बकाया गन्ना भुगतान, गन्ने का लाभकारी मूल्य घोषित करने, युवाओं को रोजगार तथा महंगाई से छुटकारा आदि मांगों को लेकर विधानसभा में आवाज उठा रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि किसानों को मुफ्त बिजली देने का वादा भी खोखला साबित हुआ। चंद पूंजीपतियों को छोड़कर छोटे और बड़े सभी व्यापारी सरकार की गलत नीतियों के कारण परेशान हैं।

प्रेस वार्ता में खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नीरपाल सिंह ने बताया कि खेल प्रकोष्ठ की तरफ से निकाली जाने वाली चौधरी चरण सिंह संदेश रथ यात्रा का शुभारम्भ 10 दिसम्बर को शुभारम्भ होगा। उन्होंने बताया कि यात्रा को लेकर रूट प्लान तैयार कर लिया गया है, जो सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, अमरोहा, बागपत, बिजनौर, मेरठ और गाजियाबाद होते हुए 23 दिसम्बर को दिल्ली किसान घाट पर पहुंचकर समाप्त होगी। उन्होने कहा कि यात्रा सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर और मेरठ से दिल्ली जाएगी।

चौधरी नीरपाल सिंह ने आगे कहा कि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयन्त सिंह खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए बढ चढकर काम कर रहे हैं और अपनी निधि से खिलाडियों के भविष्य के लिए अपनी निधि का अनुदान भी कर रहे हैं।

लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण का एडिशनल एसपी ने दिये निर्देश

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) पिहानी कोतवाली में मंगलवार की शाम अपराध समीक्षा गोष्ठी हुई। एडिशनल एसपी दुर्गेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई इस गोष्ठी में लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण का निर्देश सभी उपनिरीक्षको को एडिशनल एसपी ने दिया। गोष्टी के उपरांत एडिशनल एसपी ने कस्बे के प्रमुख मार्गों पर पैदल गस्त किया। डायल 112व स थाने के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर मामलों को हल करने व पिहानी कोतवाली के टॉप–10 हिस्ट्रीशीटरों को पकड़ने के लिए भी रणनीति तैयार की गई। गोष्ठी के बाद आरक्षियों के व्यक्तिगत, थाने से संबंधित समस्याओं को सुनकर उनके निराकरण का आश्वासन दिया गया। कोतवाली में 45 लंबित विवेचनाओं पर एडिशनल एसपी दुर्गेश कुमार सिंह ने नाराजगी प्रकट की। इस दौरान उन्होंने कस्बे के मंदिर और मस्जिदों में लगे लाउडस्पीकरों को भी देखा

गोष्ठी में डायल 112 को घटनास्थल पर समय से पहुंचने, थाना पुलिस व डायल 112 के मध्य आपसी सामंजस्य बनाकर मामलों का निस्तारण करने, आइजीआरएस संबंधी प्रकरण को विशेष रूप से मुख्यमंत्री, लोक शिकायत के प्रकरण को किसी भी दशा में विलंब नहीं होने, भू–माफियों का चिन्हांकन कर उनके विरुद्ध कार्रवाई करने, तीन माह से अधिक समय से लंबित पड़ी विवेचनाओं का जल्द से जल्द निस्तारण करने, कोतवाली के शीर्ष 10 हिस्ट्रीशीटरों की अद्यतन सूची व सक्रिय अपराधियों के विरुद्ध गैंगस्टर की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान कोतवाल धर्मदास सिद्धार्थ ,अतिरिक्त कोतवाल इख्तियार हुसैन ,कस्बा इंचार्ज रजनीश त्रिपाठी ,उप निरीक्षक मुईन ,उप निरीक्षक मेराज, नितिन तोमर ,राहुल तोमर ,हेड कांस्टेबल पवन सिंह ,मोहित कुमार समेत भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

आईसीएआर-एनबीएफजीआर के निदेशक और सम्मेलन के सह-संयोजक डॉ. उत्तम कुमार सरकार ने सम्मेलन के महत्व और इस दिशा में आईसीएआर-एनबीएफजीआर की पहल का उल्लेख किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एक्वाटिक एनिमल एपिडेमियोलॉजी (आईएसएएई) द्वारा एक त्रैवार्षिक कार्यक्रम श्एक्वाटिक एनिमल एपिडेमियोलॉजी (एक्वाएपी)' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाता है जो जलीय कृषि क्षेत्र के लाभ के लिए जलीय पशु महामारी विज्ञान के क्षेत्र में काम करने वाले शोधकर्ताओं, उद्योग और हितधारकों के बीच प्रसार, नेटवर्किंग और रचनात्मक संपर्क के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह नेशनल फिशरीज डेवलपमेंट बोर्ड (एनएफडीबी) और एक्वाटिक बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन सोसाइटी (एबीसीएस) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में आठ देशों के 25 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों सहित लगभग 250 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

सम्मेलन का उद्घाटन 29 नवंबर 2023 को सम्पन्न हुआ। डॉ. जे.के. जेना, उप महानिदेशक (मात्स्यिकी विज्ञान और पशु विज्ञान), आईसीएआर, नई दिल्ली और सम्मेलन के संयोजक ने अपने अध्यक्षीय भाषण में भारत के साथ–साथ दुनिया के अन्य देशों की अर्थव्यवस्था के लिए जलीय कृषि क्षेत्र के परिवर्तनकारी विकास और योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने जलीय कृषि क्षेत्र के विविधीकरण और प्रबंधन के लिए महामारी विज्ञान की भूमिका पर प्रकाश डाला और रोग निगरानी और मछली स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में आईसीएआर मत्स्य पालन संस्थानों की पहल पर बात की। उन्होंने डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव (डेयर) और महानिदेशक (आईसीएआर), कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और श्री अभिलक्ष लिखी, आईएएस, मत्स्य पालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान किए गए मार्गदर्शन और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि, डॉ. केंटन एल. मॉर्गन, महामारी विज्ञान के पूर्व एमेरिटस प्रोफेसर, लिवरपूल विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम ने सम्मेलन के आयोजन में आईसीएआर–एनबीएफजीआर के प्रयासों की सराहना की और उल्लेख किया कि तकनीकी सत्र जलकृषि क्षेत्र के विकास में सहायता करेंगे।उन्होंने सभी प्रतिभागियों को खड़े होकर और ताली बजवाकर सत्र को ऊर्जावान बना दिया, जो एक छोटे योग ब्रेक के रूप में काम आया।सम्मानित अतिथि, डॉ. एडगर ब्रून, निदेशक, डिपार्टमेंट ऑफ एक्वाटिक एनिमल हेल्थ एंड वेलफेयर, नॉर्वेजियन वेटरिनरि इंस्टीट्यूट, नॉर्वे ने महामारी विज्ञान अनुसंधान के महत्व और जलीय कृषि विकास में इसकी प्रासंगिकता का उल्लेख किया। डॉ. इद्या करुणासागर, सेवानिवृत्त, वरिष्ठ मत्स्य अधिकारी, एफएओ और एएमआर एवं एक्वाकल्चर बायोसिक्योरिटी के लिए एफएओ संदर्भ केंद्र, एनआईटीटीई विश्वविद्यालय, मैंगलोर ने जलीय कृषि प्रणालियों में मछली स्वास्थ्य प्रबंधन के मुद्दों को संबोधित करने में महामारी विज्ञान अनुसंधान की भूमिका पर बात की। तकनीकी सत्रों की स्मारिका सह सार पुस्तक का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। दुनिया भर के कुछ प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के रिकॉर्ड किए गए संदेश ऑनलाइन प्रसारित किए गए। डॉ. लैरी हैमेल, प्रोफेसर, प्रिंस यूनिवर्सिटी, एडवर्ड आइलैंड, कनाडा ने महामारी विज्ञान विषय के बारे में बात की जो अच्छे अनुसंधान और जलीय कृषि प्रबंधन प्रथाओं में मदद करता है। डॉ. सी. वी. मोहन, प्रधान वैज्ञानिक, वर्ल्डफिश, मलेशिया ने कहा कि सुरक्षित पोषण संबंधी जलीय कृषि उत्पादों का उत्पादन करने के लिए सुशासन और नीति दिशानिर्देशों की आवश्यकता है। डॉ. एडवर्डो लीनो, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी, एनएसीए, थाईलैंड ने सीमित जल संसाधनों के बारे में बात की जो जलीय कृषि विकास में बाधा डालते हैं, बदलती जलवायु परिस्थितियों में समस्या के समाधान के लिए समग्र हस्तक्षेप की आवश्यकता है। प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए, आईसीएआर–एनबीएफजीआर के निदेशक और सम्मेलन के सह–संयोजक डॉ. उत्तम कुमार सरकार ने सम्मेलन के महत्व और इस दिशा में आईसीएआर–एनबीएफजीआर की पहल का उल्लेख किया। डॉ. नीरज सूद, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर–एनबीएफजीआर और आयोजन सचिव ने सम्मेलन की पृष्ठभूमि और अवधारणा पेश की। आईसीएआर संस्थानों जैसे आईसीएआर–आईआईएसआर, आईसीएआर– सीआईएफआरआई, आईसीएआर–सीआईएफए के निदेशक भी इस अवसर पर उपस्थित थे। डॉ. पी.के. प्रधान, प्रधान वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष, एक्जोटिक्स एंड एक्वाटिक एनिमल हेल्थ डिवीजन, आईसीएआर–एनबीएफजीआर और आयोजन सचिव ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञपित किया। फिनफिश और शेलफिश रोगों की महामारी विज्ञान के विभिन्न पहलुओं, बीमारियों की निगरानी और रिपोर्टिंग, एक स्वास्थ्य और जलीय कृषि, जलीय कृषि में जैवसुरक्षा और जलीय जन्तु रोगों के सामाजिक और आर्थिक प्रभावों पर विचार–विमर्श के लिए आठ तकनीकी सत्र और अलग–अलग पोस्टर सत्र आयोजित किए जाएंगे।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।